

8-628

पत्रवली राज राजव लोक नसलान
 प्रलय लेख रंज गुण्य देवती वृ
 प्रभु इषी मरु 283 के हार
 डिमी की पालना हो मुमी ही अना
 प्रकटा डोप किय गला ही प्रकटा
 जो प्रलय मुदर होकर प्रकटा हो मुद ही
 वरु प्रकटा दाखिल ही
 ७